जीवन में बदलाव ला रहा है एग्रो विजन

केंद्रीय मंत्री गडकरी का मत

व्यापार प्रतिनिधि

नागपुर. एग्रो विजन ने न केवल विदर्भ के किसानों का बल्कि पूरे मध्यभारत के किसानों के सोच को बदलने का काम किया है, बल्कि अनेक क्षेत्र में बदलाव भी देखने को मिल रहा है. किसानों को यह बात समझ में आ रही है कि कृषि के साथ पूरक व्यवसाय कितना महत्वपूर्ण है. एग्रो विजन का लक्ष्य ही है कि किसानों को जागृत किया जाए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम किया जाए ताकि आने वाले दिनों में किसान आत्महत्या न हो. उक्त विचार एग्रो विजन के मुख्य प्रवर्तक एवं केंद्रीय सड़क परिवहन व जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी ने व्यक्त किए. इस बार 9वें एग्रो विजन प्रदर्शनी का आयोजन 10 से 13 नवंबर तक रेशमबाग मैदान में किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी में केवल स्टाल नहीं लगाये जाते, बल्कि विभिन्न विषयों पर लगभग 30 चर्चासत्र रखे जाएंगे, जो बदलते परिवेश से अवगत कराएंगे. किसान अगर इन चर्चासत्र में शामिल होंगे, तो निश्चित रूप से उन्हें नई-नई तकनीक, खेती के बदले तौरतरीके, बाजार एवं उत्पाद के बारे में जानकारी मिल पाएगी. उन्होंने कहा कि इस बार उनका फोकस बाम्बू, फिशरिज, दुग्ध और मध में है. अगर इन 5 बातों पर विदर्भ में अमल हो, तो विदर्भ का कायाकल्प हो सकता है. केवल बाम्बू में ही इतना दम है कि 5 लाख लोगों को रोजगार मिल सकता है. बाम्बू से हम परिधान से लेकर फर्नीचर तक और होम डेकोर तक बना सकते हैं. बाम्बू से बने शर्ट, पैंट शानदार है और इसके विकास की अपार संभावना है. इसी प्रकार दुग्ध विकास की धारा बह चुकी है. 1 लाख लीटर तक हम पहुंच चुके हैं हमें इसे 20 लाख लीटर तक पहुंचाना है. मधु की मांग वैश्विक स्तर पर है. जंगल होने के कारण हम मधुमक्खी पालन बड़े पैमाने पर कर सकते हैं. विदर्भ में मामा तालाब बड़ी संख्या में है, हम मछली पालन में उन्नत हो सकते हैं. ये सारे ग्रामीण विकास को बढ़ाएगा, जिससे किसान आत्मनिर्भर बनेंगे.

आयोजन 10 से 13 नवंबर तक

40 फीसदी सिंचाई का लक्ष्य

उन्होंने कहा कि विदर्भ का कुल क्षेत्रफल का 40 फीसदी क्षेत्र सिंचाई क्षेत्र में आ जाए, यही उनका और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का लक्ष्य है. इसके लिए मुख्यमंत्री से बात हो चुकी है. अगर लक्ष्य हासिल हो जाता है, तो विदर्भ खुशहाल हो जाएगा. यह कठिन जरूर है, परंतु असंभव नहीं है. आज केवल 22 फीसदी क्षेत्र में ही सिंचाई की सुविधा है. जल्द ही पूर्ण नीति बना ली जाएगी. धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी.

उपराष्ट्रपति करेंगे उद्घाटन

उन्होंने बताया कि उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, सुप्रीम कोर्ट के जज शरद बोबड़े के साथ ही कई राज्यों के मंत्री उद्घाटन अवसर पर रहेंगे. आनंद महिंद्रा सहित अनेक उद्योगपति को लाने का भी प्रयास हो रहा है.

30 विषयों पर चर्चासत्र

गडकरी ने कहा कि कुल 30 विषयों पर चर्चासत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दुग्ध विकास, बांस, मुर्गी पालन, पानी का व्यवस्थापन, मत्स्यपालन, मधुमक्खी पालन, शोध, नई तकनीक, रसायन, खाद, जैविक खेती, अपारंपरिक ऊर्जा, शेडनेट, वित्त, बीमा आदि पर आधारित होंगे. हर क्षेत्र में देश के जानकारों को व्याख्यान देने के लिए बुलाया गया है. इस अवसर पर पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, सी.डी. मायी, गिरीश गांधी, रवि बोरटकर, दत्ता मेघे, रमेश मानकर, अनिल बोंडे, देवेंद्र पारख प्रमुखता से उपस्थित थे.